क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 255, बुधवार, 10 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

छत्तीसगढ़: भिलाई स्टील प्लांट की गैस पाइपलाइन में धमाका, 9 की मौत, 14 घायल, रमन सिंह ने जताया शोक

एजेंसी,नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित भिलाई इस्पात संयंत्र में मंगलवार सुबह एक गैस पाइप लाइन में जबरदस्त धमाका हो गया। एएनआई न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य लोग घायल हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारियों ने बताया कि संयंत्र में कोक ओवन के करीब कर्मचारी काम कर रहे थे, उसी दौरान पाइप लाइन में विस्फोट हो गया। इससे कर्मचारी झुलस गए। इससे पहले दुर्ग जिले के पुलिस अधिकारियों ने आज न्यूज एजेंसी भाषा को बताया कि जिले के भिलाई शहर में स्थित भिलाई इस्पात संयंत्र में हुए हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार की सुबह हुए इस हादसे के बाद पुलिस और बचाव दल के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्ग जिले के पुलिस महानिरीक्षक जी पी सिंह ने बताया कि संयंत्र के कोक ओवन के करीब 25 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे थे। उसी वक्त सुबह करीब 11 बजे अचानक पाइप लाईन में विस्फोट हो गया। जिससे कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इस घटना में अभी तक छह लोगों के मारे जाने की सूचना है। बचाव दल के कर्मी मौके पर मौजूद हैं। हालात पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

भिलाई हादसे पर मुख्यमंत्री रमन ने शोक जताया

मारे गए लोगों के प्रति मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने शोक जताया है।

युवती को अगवा कर बलात्कार करने का आरोपी युवक गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। शहर पुलिस ने सेक्टर-39 थाना क्षेत्र से एक युवती को अगवा कर उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में मंगलवार को एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि सदरपुर कॉलोनी निवासी युवती को वहीं पर रहने वाले प्रदीप नामक युवक ने 5 अक्टूबर को अगवा कर लिया था।

कोलकाता : पितृपक्ष के दौरान सोमवार को गंगा नदी के तट पर तर्पण संस्कार करते लोग।

बाबा रामपाल पर हत्या मामले में सुनवाई पूरी, फैसला 11 को

जींद। हिसार अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.आर. चालिया की अदालत ने सेंट्रल जेल वन में बरवाला के सतलोक आश्रम संचालक बाबा रामपाल मामले की सुनवाई सोमवार को पूरी कर दी। अदालत 11 अक्तूबर को फैसला सुनाएगी। रामपाल पर देशद्रोह मामले में 19 नवंबर को सुनवाई होगी। फैसले के पहले ही प्रशासन ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात कर दी है। प्रशासन ने फैसले वाले दिन शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाहरी जिलों से 872 पुलिस कर्मी बुलाए हैं। इनमें 12 डीएसपी समेत अन्य पुलिस कर्मी शामिल हैं। पुलिस ने अभी से प्वाइंट बनाकर इन पुलिस कर्मियों की ड्यूटी तय कर दी है। अदालत में बरवाला के सतलोक आश्रम प्रकरण के हत्या के मुकदमा नंबर 429 में रामपाल समेत 15 और मुकदमा नंबर 430 में रामपाल समेत 14 आरोपित हैं। सेंट्रल जेल-2 में बंद रामपाल की हाजरी वीसी से लगी। उसके अलावा अन्य आरोपित

अदालत में पेश हुए।

दो मामलों में रामपाल बरी हो चुके

सतलोक आश्रम के संचालक बाबा रामपाल को हिसार कोर्ट ने दो मामलों में बरी कर दिया था। रामपाल के केस में 24 अगस्त 2017 को ही फैसला आना था, लेकिन राम रहीम के मामले को देखते हुए सुरक्षा कारणों से इसे टाल दिया गया था। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट मुकेश कुमार की अदालत ने 29 अगस्त को सतलोक आश्रम से जुड़े केस नंबर 426 और 427 में फैसला सुनाते हुए रामपाल को बरी किया था।

»»» तितली तूफान : रेड अलर्ट जारी

ओडिशा-आंध्र प्रदेश में कल तक दे सकता दस्तक,

भुवनेश्वर। एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को एक विशेष बुलेटिन में कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र तीव्र होकर चक्रवाती तूफान तितली में बदल गया है। यह तूफान ओडिशा-आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

आईएमडी ने बुधवार और गुरुवार को ओडिशा के कई स्थानों पर भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। राज्य में रेड अलर्ट भी जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने कहा कि बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती तूफान पिछले छह घंटे में आठ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ा। आईएमडी के मुताबिक तितली ओडिशा में गोपालपुर से करीब 560 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में और आंध्र प्रदेश में कलिंगपट्नम से 480 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण पूर्व में है। बताया जा रहा है कि बुधवार तक यह तूफान ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में दस्तक दे सकता है। इसके बाद ओडिशा के कई जिलों को हाईअलर्ट पर खा गया है। तूफान के दस्तक देने के बाद भारी बारिश हो सकती है।

भुवनेश्वर में मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक एच आर विश्वास ने कहा, अगले 24 घंटे में यह तीव्र चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कुछ समय के लिए पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ सकता है। जिसके बाद यह उत्तर पश्चिम की ओर बढ़कर 11 अक्टूबर को सुबह के आसपास गोपालपुर तथा कलिंगपट्नम के बीच ओडिशा और उससे लगे उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों को पार कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसके बाद यह उत्तर पूर्व की ओर जा सकता है और तटीय ओडिशा से पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्र से गुजरते हुए धीरे-धीरे कमजोर हो सकता है।

यहां हो सकती है बारिश

दक्षिण तटीय ओडिशा के गजपति, गंजाम, पुरी और जगतसिंहपुर जिलों के कुछ स्थानों पर बुधवार से भारी बारिश हो सकती है। इनके अलावा बुधवार और गुरुवार से गंजाम, गजपति, पुरी, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, खुर्दा, नयागढ़, कटक, जाजपुर, भद्रक और बालासोर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

ओडिसा सरकार ने सतर्क किया

आईएमडी ने 11 अक्तूबर से कंधमाल, बौध तथा ढेंकानाल जिले में भी भारी से अत्यंत भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। ओडिशा सरकार को भी संभावित बाढ़ के हालात के मद्देनजर सतर्क कर दिया गया है।

कोलकाता में सोमवार को पूजा पंडाल में सेक्स वर्करों के अधिकारों को समर्पित रंगोली बनाते कलाकार।

डीएनडी टोल के पास अज्ञात लोगों ने कैश वैन पर की गोलीबारी, गार्ड घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में अज्ञात लोगों ने डीएनडी टोल प्लाजा के पास एक कैश वैन को लूटने के प्रयास में कथित तौर पर गोलीबारी की जिससे 50 वर्षीय एक गार्ड घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार की रात में हुई। पुलिस के अनुसार कैश वैन एक सुरक्षा एजेंसी की थी और घटना के समय सुरक्षा गार्ड, चालक तथा कंपनी का एक अधिकारी वाहन के अंदर थे। घायल गार्ड विश्वंभर को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैश वैन जनकपुरी कार्यालय से पैसे लेकर नोएडा जा रही थी।

लोकसभा चुनाव में महागठबंधन में शामिल होंगे सपा, बसपा: वीरप्पा मोइली

हैदराबाद। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एम वीरप्पा मोइली ने मंगलवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए के खिलाफ विपक्षी दलों के महागठबंधन में सपा और बसपा भी शामिल होंगे।

मोइली ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस उन पांच में से कम से कम चार राज्यों में जीतेगी जहां अगले दो महीने में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री के बयान से पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले सप्ताह कहा था कि उनकी पार्टी मध्य प्रदेश में गठबंधन पर कांग्रेस के फैसले का अब और इंतजार नहीं करेगी। उन्होंने संकेत दिया था कि वह मायावती की अगुवाई वाली बसपा से गठजोड़ कर सकते हैं। इससे कुछ दिन पहले ही मायावती ने राजस्थान और मध्य प्रदेश में मुख्य विपक्षी कांग्रेस के साथ विधानसभा

चुनावों के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया था। मोइली ने कहा कि प्रस्तावित महागठबंधन लोकसभा चुनावों के लिए बनना है, राज्य विधानसभा चुनावों में नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य के चुनावों में पार्टियों की अपनी बाध्यताएं होती हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, हमारी प्रमुख इच्छा लोकसभा चुनाव में विपक्ष को एकजुट देखने की है और हमें उम्मीद है कि इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि बसपा और सपा इस महागठबंधन का हिस्सा बनेंगे। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में वोटों का ध्रुवीकरण कांग्रेस और भाजपा के बीच होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस ही जीतेगी और मध्य प्रदेश में भी वह भाजपा से आगे चल रही है। मोइली ने कहा, छत्तीसगढ़ में 50-50 की स्थिति है। वहां (परिणाम) हमारे चुनाव प्रबंधन, उम्मीदवारों के चयन पर निर्भर करेगा। मिजोरम में हम जीतेंगे। उन्होंने यह दावा भी किया कि उनकी पार्टी तेलंगाना में तेलुगूदेशम पार्टी, भाकपा और अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन बनाएगी। महागठबंधन के प्रधानमंत्री पद के दावेदार के सवाल पर मोइली ने कहा कि संभवत: यह मुद्दा नहीं उभरेगा क्योंकि प्रस्तावित गठजोड़ में कोई पार्टी इस पर जोर नहीं देगी।

देहरादून में कर रहा था इंजीनियरिंग चला आतंक की राह, पिता भी था आतंकी

उत्तराखंड। देहरादून में पढ़ रहे कश्मीरी छात्र के आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन में शामिल होने की सूचना है। यह दून का दूसरा मामला है, जब यहां पढ़ रहा कश्मीरी छात्र किसी आतंकी संगठन में शामिल हुआ है। आतंकी बने छात्र शोएब लोन का पिता भी आतंकी रहा है। 90 के दशक में लोन के पिता को सेना ने मार गिराया था। छात्र अपनी मां की तबीयत खराब होने और दोस्त की शादी की बात कहकर अपने इंस्टीट्यूट से छुट्टी पर गया था, लेकिन वह निकलने के बाद घर ना पहुंचकर आतंकी संगठन में शामिल हो गया।

सुरक्षा एजेंसियों के सामने सवाल

इधर, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ ही मिलिट्री इंटेलीजेंस और सेना ने देहरादून में संपर्क साधा है। यह छात्र बीते 20 सितंबर को दून से कश्मीर के लिए निकला था, उसके बाद से उसका पता नहीं है। देहरादून में पढ़ाई कर रहा शोएब लोन कश्मीर में सक्रिय आतंकी सगठनों के संपर्क में कैसे आया? क्या यहां स्लीपर सेल ने मौजूद रहकर उसे आतंकवाद के प्रति प्रेरित तो नहीं किया या सोशल साइटों और अन्य माध्यम के जरिए वह आतंकवाद से जुड़ा? इन तमाम सवालों के जवाब के लिए इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के साथ ही मिलिट्री इंटेलीजेंस जांच में जुट गई हैं।

पिता भी था आतंकी

कश्मीरी छात्र का पिता 90 के दशक में आतंकी सगठन से जुड़ने के बाद मारा गया था। आतंकी हमले में मारे जाने के कारण आतंकी संगठन उसे भी अपनी पोस्टों में शहीद का दर्जा देते हैं। सोशल साइटों पर चल रहे शोएब लोन के फोटों में पिता अरशद हुसैन के नाम के साथ भी शहीद लगाया गया है।

कश्मीर जाकर हिजबुल से जुड़ा

जम्मू-कश्मीर के बुमराट (कुलगाम) का रहने वाला छात्र शोएब अहमद लोन नंदा की चौकी स्थित एल्पाइन इंस्टीट्यूट में बीएससी (आईटी) पांचवें समेस्टर का छात्र है। बीते जून में परीक्षा देकर घर गया शोएब सितंबर में वापस दून स्थित संस्थान लौटा। यहां तीन या चार दिन रुकने के बाद 20 सितंबर को मां की तबीयत खराब होने के साथ ही दोस्त की शादी की बात कही और चंडीगढ़ से श्रीनगर की फ्लाइट से शोएब फिर चला गया। दून से 20 सितंबर को रवाना होते ही सीधे जाकर वह कश्मीर में आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़ गया। कुलगाम में शोएब की गुमशुदगी दर्ज करने के बाद उसकी आतंकी संगठनों से जुड़ने का पता लगा तो उस पर आतंकियों पर लगाए जाने वाली धारा 121 (भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करना या युद्ध करने का प्रयत्न करना) के तहत भी अभियोग दर्ज कर लिया गया है।

मां ने की वापस लौटने की अपील

छात्र की मां ने वीडियो मैसेज जारी कर बेटे के वापस लौटने की अपील की है। सूत्रों के मुताबिक शोएब की मां ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों से संपर्क साधने के साथ ही फेसबुक पर बेटे के वापस घर लौटने का भवनात्मक संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने बेटे के आतंकी संगठन में शामिल होने की बात कही है।

पुलिस-सेना जांच में जुटी

संस्थान के निदेशक डा. एसके चौहान ने बताया कि छात्र को लेकर सारी जानकारी और उसके दाखिले से जुड़ी फाइल सेना को उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी वह शोएब के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकते हैं। क्योंकि सेना और पुलिस इस मामले की पड़ताल कर रहे हैं। अपर पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार का कहना है कि शोएब को लेकर जुटाई जा रही जानकारी को जल्द सार्वजनिक किया जाएगा।

ढाई वर्ष से ज्यादा वक्त रहा दून में

आतंकी संगठन में शामिल शोएब अहमद 12वीं की पढ़ाई करने बाद वर्ष 2016 में बीएससी आईटी की पढ़ाई करने के लिए दून आया। करीब ढाई वर्ष पढ़ाई करने के दौरान ही वह आतंकी संगठन के संपर्क में आया और अचानक घर पहुंचकर गायब हो गया। इसके बाद घर और संस्थान से किसी परिचित से भी संपर्क नहीं साधा।

मिलने वाले और करीबी छात्र रडार पर

कश्मीर से लोन से कौन-कौन मिलने आया, क्या उनमें कोई आतंकी चेहरा था या नहीं, यहां रहने के दौरान वह कैसे आतंकियों से संपर्क में आया। वह फोन या व्हट्सएप के जरिए विदेश में संपर्क तो नहीं करता था।

पुलिस और इंटेलीजेंस ने इस तरह के सवाल तलाशने के लिए उसके हॉस्टल संचालक, वार्डन, स्कूल के डीन, उसके साथी छात्रों से भी उसके बारे में जानकारी जुटाई है, लेकिन उसका आतंकी कनेक्शन जुटाना पुलिस के बड़ी मुसीबत बना हुआ है। पुलिस ने कश्मीर के साथ ही सेलाकुई में उसके परिचित छात्रों से उसकी जानकारी के लिए सवाल करने शुरू कर दिए हैं।

संपादकीय

महिलाओं के विरुद्ध यौन शोषण

इन दिनों छोटी बच्चियों और महिलाओं के विरुद्ध यौन शोषण और हिंसा की अनचाही खबरों को लेकर लगातार सुर्खियों में है। ताजा वारदात सुपौल जिले में स्थित दरपखा गांव के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की है, जहां डरपोक, मनचले और शोख स्थानीय युवकों ने इस स्कूल की 12-14 साल की बहादुर छात्राओं पर उनके छात्रावास में घुसकर हमला किया। इस हमले में करीब 40 छात्राएं घायल हुई हैं। इस घटना का सबसे अफ्सोसनाक पहलू यह है कि हमलावरों में मनचले युवकों के साथ उनके मां-बाप भी शामिल थे। इन छात्राओं की गलती इतनी भर थी कि इन शोहदे किस्म के लड़कों की अश्लील हरकतों और स्कूल की दीवारों पर उनके द्वारा लिखी गई अशिष्ट टिप्पणियों का साहस के साथ विरोध किया। कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद इन्होंने खुद ही विरोध का झंडा बुलंद किया। इन हिम्मती स्कूली छात्राओं पर जिस तरह बेरहमी से सामूहिक हमला किया गया, उससे ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और ''महिला सुरक्षा' जैसे सरकारी नारों की असलियत सामने आ गई है। दरअसल, यह अपने तरह की एक अलग घटना है, जिस पर समाजशास्त्रियों को अध्ययन करने की आवश्यकता है। आखिर वह कौन सी प्रवृत्ति है, जो सही और गलत के बीच भेद करने के विवेक को मार रही है। स्त्रियों को सम्मान और उन्हें सुरक्षा देने का संस्कार परिवार से ही मिलता है। मां-बाप अपने बच्चों को यही नसीहत और सीख देते हैं कि पड़ोसी की बेटी-बहन को अपनी बहन-बेटी की नजर से देखना चाहिए। लेकिन सुपौल की घटना ठीक इसके उलट बयां कर रही है। नाबालिग स्कूली छात्राओं के खिलाफ बिगड़ैल और मनचले युवकों के मां-बाप ने बढ़-चढ़ कर हमला किया। आखिर यह कैसा ''पुत्र मोह' जो महिलाओं की इज्जत और सम्मान के साथ खिलवाड़ करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे। स्कूली छात्राओं के विरुद्ध हुए इस सामूहिक हमले ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशासनिक दक्षता पर भी सवाल खड़े कर रहा है। अभी पिछले दिनों मुजफ्फरपुर बालिका आश्रम में बच्चियों के यौन शोषण के मामले में नीतीश सरकार कठघरे में खड़ी थी। इसलिए यह कहा जा सकता है कि प्रशासन के पंगु होने के कारणइस सूबे में लोग कानून को हाथ में लेकर कथित अपराधियों को दंडित करने में लगे हैं। अगर यह सच है तो कानून का भय समाप्त होना बहुत खतरनाक संकेत है।

चुनाव का श्रीगणोश

शांत जम्मू-कश्मीर में स्थानीय निकायों के चुनाव का श्रीगणोश लोकतांत्रिक राजनीति के लिए स्वागत योग्य कदम है। चार चरणों में होने वाले नगरीय स्थानीय निकायों के पहले चरण के चुनाव में जनता का भाग लेना आतंकवादियों और अलगाववादियों के मुंह पर तमाचा है, जो शुरू से ही लोकतांत्रिक राजनीति के धुर विरोधी रहे हैं। इस बार भी उन्होंने धमकी दी थी, तो अलगाववादियों ने बंद का आह्वान। हालांकि कश्मीर घाटी में कई वाडरे में कोई प्रत्याशी खड़ा नहीं हुआ। वहां मतदान प्रतिशत भी कम रहा लेकिन जम्मू क्षेत्र में मतदाताओं में काफी उत्साह दिखा। 2005 में कराए गए नगरीय निकायों के चुनावों में तमाम व्यवधानों के बावजूद करीब 48 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया था। दुर्भाग्यवश इस बार के चुनाव में प्रदेश की दो मुख्य पार्टियों-नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने भाग न लेने का फैसला किया है। उन्होंने अनुच्छेद 35ए की आड़ ली है, लेकिन राज्य के स्थानीय विकास के वाहक निकाय चुनावों का बहिष्कार करने से क्या उनका मनोरथ सिद्ध हो जाएगा? आतंकवादियों या अलगावादियों के भय से घाटी की जनता जरूर कुछ क्षेत्रों में मतदान करने से वंचित रही लेकिन इसका यह अर्थ नहीं लगाया जा सकता कि वह उनके साथ है। प्रदेश के जीवन में स्थानीय संस्थाएं विभिन्न रूपों में अपनी उपयोगिता साबित करने वाली हैं। एक तो ये स्थानीय स्तर पर लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का काम करती हैं। दूसरे शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी पाक-प्रायोजित आतंकवादियों के इरादे को विफल कर देगी क्योंकि उन्हें विकास चाहिए। सही है कि प्रदेश में स्थानीय संस्थाएं अपेक्षानुरूप काम नहीं कर पा रहीं। लेकिन स्थानीय स्तर पर विकास प्रकिया को गति देने में उनकी भूमिका नकारी नहीं जा सकती। मोदी सरकार इस बात को भलीभांति समझती है। आम जन की जिंदगी में इनकी अहमियत का ही नतीजा है कि पंचायत के सदस्य आतंकियों के निशाने पर होते हैं। बहरहाल, निकाय चुनाव से नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के अलग रहने के कारण यह चुनाव भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बनकर रह गया है।

सत्संग

"भुवन ज्ञानम् सूर्ये संयमात।'

बाहर के सूर्य की भांति मनुष्य के भीतर भी सूर्य छिपा हुआ है, बाहर के चांद की ही भांति मनुष्य के भीतर भी चांद छिपा हुआ है। और पंतजलि का रस इसी में है कि वे अंतर्जगत के आंतरिक व्यक्तित्व का संपूर्ण भूगोल हमें दे देना चाहते हैं। इसलिए जब वे कहते हैं ''भुवन ज्ञानम् सूर्ये संयमात।' सूर्य पर संयम संपन्न करने से सौर ज्ञान की उपलब्धि होती है।' तो उनका संकेत उस सूर्य की ओर नहीं है जो बाहर है। उनका मतलब उस सूर्य से है जो हमारे भीतर है। हमारे भीतर सूर्य कहां है? हमारे अंतस के सौर-तंत्र का केंद्र कहां है? वह केंद्र ठीक प्रजनन-तंत्र की गहनता में छिपा हुआ है। इसीलिए काम वासना में एक प्रकार की ऊष्णता, एक प्रकार की गर्मी होती है। कामवासना का केंद्र सूर्य होता है। इसीलिए तो कामवासना व्यक्ति को इतना ऊष्ण और उत्तेजित कर देती है। जब कोई व्यक्ति कामवासना में उतरता है तो वह उत्तप्त से उत्तप्त होता चला जाता है। व्यक्ति कामवासना के प्रवाह में एक तरह से ज्वर-ग्रस्त हो जाता है, पसीने से एकदम तर-बतर हो जाता है, उसकी श्वास भी अलग ढंग से चलने लगती है। और उसके बाद व्यक्ति थक कर सो जाता है। जब व्यक्ति कामवासना से थक जाता है तो तुरंत भीतर चंद्र ऊर्जा सक्रिय हो जाती है। जब सूर्य छिप जाता है तब चंद्र का उदय होता है। इसीलिए तो काम-क्रीड़ा के तुरंत बाद व्यक्ति को नींद आने लगती है। सूर्य ऊर्जा का काम समाप्त हो चुका, अब चंद्र ऊर्जा का कार्य प्रारंभ होता है। भीतर की सूर्य ऊर्जा काम-केंद्र है। उस सूर्य ऊर्जा पर संयम केंद्रित करने से, व्यक्ति भीतर के संपूर्ण सौर-तंत्र को जान ले सकता है। काम-केंद्र पर संयम करने से व्यक्ति काम के पार जाने में सक्षम हो जाता है। काम-केंद्र के सभी रहस्यों को जान सकता है। लेकिन बाहर के सूर्य के साथ उसका कोई भी संबंध नहीं है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति भीतर के सूर्य को जान लेता है तो उसके प्रतिबिंब से वह बाहर के सूर्य को भी जान सकता है। सूर्य इस अस्तित्व के सौर-मंडल का काम-केंद्र है। इसी कारण जिसमें भी जीवन है, प्राण है, उसको सूर्य की रोशनी, सूर्य की गर्मी को आवश्यकता है। जैसे कि वृक्ष अधिक से अधिक ऊपर जाना चाहते हैं। जैसे सूर्य जीवन है, वैसे ही कामवासना भी जीवन है। इस पृवी पर जीवन सूर्य से ही है, और ठीक इसी तरह से कामवासना से ही जीवन जन्म लेता है-सभी प्रकार के जीवन का जन्म काम से ही होता है।

राजनीति

गुजरात पुलिस, संयोग से जिसकी अगुआई एक बिहारी अधिकारी ही कर रहे हैं, ने बलात्कारी के साथ ही करीब ढाई सौ दंगाइयों को गिरफ्तार किया है, और कार्रवाई जारी है। जिस ठाकोर सेना नामक संगठन पर बाहरी मजदूरों पर हमले करने और धमकी देने का मुख्य आरोप है, उसके नेता कांग्रेस विधायक अल्पेश ठाकोर बिहार के प्रभारी कांग्रेसी नेता हैं, और वे लगातार पलायन रोकने को तत्पर लगते हैं। राज्य की भाजपा सरकार, जिसे इस पलायन से गुजरात और हिन्दी पट्टी में पार्टी को नुकसान होने के अन्देशा है, और उद्यमशील गुजराती समाज भी इस तरह की हिंसा और पलायन को अपने प्रदेश और अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह मानकर तत्पर है। कई बाहरी मजदूरों के पिटने की खबर है।

सतीश पेडणोकर

एक गुजराती बच्ची से एक अप्रवासी बिहारी मजदूर द्वारा रेप से पैदा गुस्से से हुई हिंसा और अफवाहों के बाद वापस हिन्दी प्रदेश लौट रहे बिहारी, यूपी और एमपी वाले मजदूर दशहरा, दिवाली और छठ बिताकर फिर गुजरात आएंगे और तब तक गुजरातियों का गुस्सा भी शांत हो गया रहेगा। लेकिन जरूरी है कि बलात्कारी और दंगाइयों पर कार्रवाई शुरू हो जाए। गुजरात पुलिस, संयोग से जिसकी अगुआई एक बिहारी अधिकारी ही कर रहे हैं, ने बलात्कारी के साथ ही करीब ढाई सौ दंगाइयों को गिरफ्तार किया है, और कार्रवाई जारी है। जिस ठाकोर सेना नामक संगठन पर बाहरी मजदूरों पर हमले करने और धमकी देने का मुख्य आरोप है, उसके नेता कांग्रेस विधायक अल्पेश ठाकोर बिहार के प्रभारी कांग्रेसी नेता हैं, और वे लगातार पलायन रोकने को तत्पर लगते हैं। राज्य की भाजपा सरकार, जिसे इस पलायन से गुजरात और हिन्दी पट्टी में पार्टी को नुकसान होने के अन्देशा है, और उद्यमशील गुजराती समाज भी इस तरह की हिंसा और पलायन को अपने प्रदेश और अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह मानकर तत्पर है। कई बाहरी मजदूरों के पिटने की खबर है, तो उन्हें बचाने में कई गुजराती मालिकों और मैनेजर भी पिटे हैं। पर जाहिरन जब मजदूर छठ के बाद भी लौटेंगे तब तक काफी कुछ बदल गया होगा।

सबसे बड़ा बदलाव तो गुजरात और गुजरातियों की शांतिप्रियता के बारे में बनी धारणा बदलने का होगा जिसका बहुत असर आर्थिक ही नहीं राजनैतिक-सामाजिक जीवन पर पड़ने वाला है। यह धारणा बनवाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात शासन की भी बड़ी भूमिका रही है, जिसका राजनैतिक लाभ उन्हें गुजरात के अलावा अप्रवासियों के पूरे हिन्दीभाषी प्रदेशों में मिला है। अप्रवासी मजदूर उनके लिए मुफ्त के प्रचारक बन गए थे। चुनाव के समय उनको घर भेजने की मुहिम भी भाजपा ने चलवाई थी। साबरकांठा जिले की बलात्कार की घटना के बाद पूरे उत्तर गुजरात में अशांति रही है, और आठ तक भाग जाने की धमकियों के साथ तरह-तरह के डराने वाले संदेश सोशल मीडिया पर तैरते रहे हैं। संयोग से तभी एक प्रेम प्रसंग या किसी झगड़े में एक आदमी की लाठी-डंडों से हुई पिटाई का वीडियो भी वायरल हुआ। हिंसा मुख्यत: सिरामिक उद्योग वाले उत्तरी इलाके से अन्य जगहों पर भी फैली। अहमदाबाद और वड़ोदरा के भी कुछ इलाके हिंसा की चपेट में आए। इस बार के हंगामे में बलात्कार निश्चित रूप के मुख्य या तात्कालिक कारण है, पर एक साथ जितने और मुद्दे उभर आए हैं, वे मामले को जल्द शांत होने देंगे, इसका भरोसा आसानी से नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा मुद्दा तो स्थानीय बनाम बाहरी का है। कई जगह से यह सूचना भी आई कि बड़ी फैक्टरियों पर हमला करने आई दंगाइयों की भीड़ की अगुआई वे छंटनीग्रस्त या नौकरी छोड़ने वाले लोग ही कर रहे थे। स्थानीय बनाम बाहरी का सवाल हर जगह रहता है पर असम को खेती और बागान लायक बनाने, पंजाब को धान उगाना बताने से लेकर हर तरह के काम में आगे करने और मुंबई-कोलकाता को जमाने तक देश की आर्थिक राजधानी बनाए रखने में अप्रवासी मजदूरों की क्या भूमिका रही है, यह बताने की जरूरत नहीं है। पर स्थानीयता का सवाल तो रहता है, भले उसकी आड़ में राजनीतिक लाभ लेने वाले दंगा भड़काने की सोचते हैं। राज ठाकरे जैसों की तो पूरी राजनीति इसी सवाल पर चलती है। गुजरात में भी 80 फीसद स्थानीय और बीस फीसद बाहरी का कानून है। इस बार के दंगों में सवाल उठा कि कई मालिक फायदे के लिएइसका पालन नहीं करते। ठेके की मजदूरी के सहारे इसका उल्लंघन करते हैं। इस कानून पर जरूर अमल होना चाहिए। बलात्कारी और दंगाइयों को सजा मिलनी चाहिए। इनसे भी बड़े सवाल हैं, जिनको इस अवसर पर उठाना चाहिए। असमान क्षेत्रीय विकास और व्यक्तियों के साथ-साथ राज्यों के बीच तेजी से बढ़ती असमानता भी अर्थव्यवस्था और राजनैतिक चर्चा के मुद्दे बनने चाहिए। जब से नीतीश कुमार बिहार के अगुआ बने हैं, लगातार बिहार रिकॉर्ड दर से अपना जीडीपी बढ़ाए जा रहा है। सब ताली पीटते हैं पर कोई नहीं पूछता कि यह बिकसवा कहां तक पहुंचा क्योंकि बिहार राज्यवार विकास की सूची में अंतिम पायदान पर बना ही हुआ है-उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश या पूरा हिन्दी इलाका उसी गति को प्राप्त है। पलायन छोड़कर बिहार की कोई आमदनी नहीं है-सारे सुशासन के बावजूद कोई नया उद्योग, नया कारोबार नहीं शुरू हुआ है। खेती सुधरी है तो लोगों के अपने दम से। अब तो शिक्षा और स्वास्थ्य का भी बुरा हाल हो गया है-बीच में साइकिल-वर्दी दिखाने वाले दौर में कुछ चमक बनी थी। लेकिन पलायन बढ़ता गया क्योंकि खेती, उद्योग, खनन व व्यापार सभी को काम देने में असमर्थ हैं। अपने प्राकृतिक संसाधनों, करखनिया सामान, मिट्टी-पानी, पूंजी के पलायन के बाद मजदूरों और प्रतिभाओं का पलायन किसी भी इलाके या प्रदेश के पिछड़ेपन की अंतिम अवस्था है। बिहार ही नहीं, अधिकांश हिन्दी प्रदेश इसकी ओर ही मुखातिब हैं-छत्तीसगढ़ और झारखंड अभी भी पलायन के साथ अपने खनिज भंडार की कमाई खा रहे हैं वरना नोएडा-दिल्ली या एनसीआर को छोड़कर हिन्दी पट्टी में दिखाने को कुछ भी नहीं बचा है-कानपुर और रोहतास-बरौनी वाली पट्टी अब सिमट चुकी है। जब मजदूर बिना पढ़े-लिखे या तकनीकी ज्ञान के अपने से उन्नत इलाके के श्रम बाजार में पहुंचता है, तो उसकी क्या दुर्गति होती है, उसे अनजान इलाके की बोली, खानपान, नरक जैसे रहने वाले हालात में क्या-क्या भुगतना पड़ता है, उसके परिवार की औरतों को कितने बलात्कार झेलने पड़ते हैं, इसकी गिनती उन लोगों के पास नहीं होती जो एक अपराधी मानसिकता के मजदूर के अपराध के चलते पूरे हिन्दीभाषी मजदूरों को निशाना बनाने से बाज नहीं आते। विकास के सारे मानकों पर पीछे आकर घर छोड़ने को मजबूर ये लोग किस तरह श्रमिक आंदोलन की उपलब्धियों पर पानी फेरते हैं, यह ही नहीं जानते। कांग्रेस भाजपा जैसी पार्टियां कब उन्हें अपनी राजनीति में इस्तेमाल करती हैं, इसका भी उन्हें पता नहीं होता। वे तो बस काम पाकर खुश होते हैं, वापस घर पहुंच कर और खुश होते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि छठ तक मजबूरी की छुट्टियां बिताकर ही जब वे वापस आएंगे तो उन्हें काम पाकर फिर खुशी मिलेगी।

चलते चलते

मौत-बीमारी

गुलजार साहब ने लिखा है-सब पे आती है सबकी बारी से, मौत मुंसिफ है कमोबेश नहीं। उफ्फ! नौ साल का बच्चा मर जाए, उसकी बारी तो नहीं हो सकती। मौत-बीमारी कुल मिलाकर मुंसिफाना सलूक नहीं करती। दिल्ली में एक केंद्र सरकार है, एक राज्य सरकार है।

उन्नत तकनीक वाले देश भारत में, आसमान में मंगलयान भेज चुके भारत की राजधानी दिल्ली में डिप्थीरिया नामक बीमारी से हाल में तीस से ज्यादा मौतें हो गई हैं। मरने वालों में अधिकांश नौ साल से कम उम्र के बच्चे थे। गुलजार साहब ने लिखा है-सब पे आती है सबकी बारी से, मौत मुंसिफ है कमोबेश नहीं। उफ्फ! नौ साल का बच्चा मर जाए, उसकी बारी तो नहीं हो सकती। मौत-बीमारी कुल मिलाकर मुंसिफाना सलूक नहीं करती। दिल्ली में एक केंद्र सरकार है, एक राज्य सरकार है, फिर छोटी-मोटी ना जाने कितनी सरकारें हैं, डिप्थीरिया ना रुक रहा इनसे। एक जन स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने मुझसे पूछा-बताइए, इतने बच्चे मर गए डिप्थीरिया से, किसी टीवी चैनल पर खबर ना रहे। मैंने फुंकित स्वर में कहा-भाई डिप्थीरिया के मरीजों को बिग बॉस के सैट पर ले जाओ। इस पर खबर चलवा दो। तब आएगी कवरेज। मंगलयान ऊपर पहुंच गया है, कैमरे से नीचे के फोटू ले सकता है। मंगलयान से कुछ उम्मीदें हैं। नीचे की अफसरशाही से कुछ उम्मीद करना बेकार है। खबर है कि जिस इंस्टीटयूट से डिप्थीरिया की दवाई सप्लाई होनी थी, उसने बहुत पहले खत लिखकर अस्पतालों को बता दिया था कि हम दवाई सप्लाई नहीं कर पाएंगे। अस्पताल के डाक्टरों को उम्मीद रही होगी कि यह खत दिखाने से डिप्थीरिया खुद ब खुद चला जाएगा। शरीफ सेंधमार चोर ऐसे ही करते हैं। पुलिस गश्त पर नहीं है, तो आज वारदात नहीं करेंगे ताकि बाद में हिस्साबांट में झगड़ा ना मचे। पुलिस यह ना कहे कि हम ना आए तो भी लूटपाट कर गए। अब हमें कैसे पता लगे कि कितनी लूटमार की है। लूटमार हमारे सामने किया करो। पारदर्शिता के समर्थक उचक्के, सेंधमार, चैन-स्नैचर, लुटेरे पुलिस के सामने ही वारदात करते हैं ताकि बाद में कनफ्यूजन ना रहे। पर डिप्थीरिया कतई बेशर्म निकला।

डिप्थीरिया की दवाई सप्लाई ना हो पाएगी-यह खत देखकर भी गया नहीं डिप्थीरिया। सरकारी जांचों में कमाल के निष्कर्ष आ सकते हैं-डिप्थीरिया के लिए। बहुत असहिष्णु हो गया है डिप्थीरिया। दवाई ना होने की खबर सुनकर भी गया नहीं। फेसबुक ट्विटर क्रांतिकारी हैशटैग लगाकर आंदोलन चला सकते हैं-मैं भी डिप्थीरिया। और इससे ज्यादा डिप्थीरिया के लिए क्या जा सकता है!

फोटोग्राफी...

विस्थापित रहवासी।

अहमदाबाद : 14 माह की बच्ची से कथित रेप के आरोप पर विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सोमवार को अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश और बिहार लौटते विस्थापित रहवासी।

अर्थव्यवस्था

पिछले कुछ समय से भारतीय अर्थव्यवस्था की जान सांसत में अटकी है। आर्थिक स्थिति से जुड़ा ऐसा कुछ सकारात्मक नहीं दिख रहा जिससे अर्थव्यवस्था को राहत मिलती दिखती हो। शेयर बाजार में हाहाकार, रसातल में जाते रुपये को लेकर चित्कार, आईएलएंडएफएस संकट को लेकर करुण क्रंदन। सरकारी बैंकों की गठरी में एक नहीं कई चोर लग चुके हैं, और नित नये नाम नमूदार हो रहे हैं। भले ही केंद्र सरकार और लगभग दर्जन भर राज्यों ने भारतीय उपभोक्ताओं को 5 रुपये तक की फौरी राहत जरूर बख्शी है, लेकिन आगे की डगर फिर भी बहुत आसान नहीं दिख रही। जाहिर है कि लंबे समय तक उपभोक्ताओं की जान पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों से हलकान बनी रही है, जो शतक लगाने की ओर तेजी से बढ़ती दिख रही है। हालांकि सरकार अब भी उन्हें दिलासा दिए जा रही है कि उनकी जेब से पेट्रोलियम उत्पादों की एवज में जा रहा पैसा कहीं जाया नहीं हो रहा, बल्कि देश की विकास परियोजनाओं में लग रहा है। थोड़ा पीछे जाएं तो नोटबंदी के फायदे को लेकर शायद ही किसी ने सकारात्मक टिप्पणी की हो। नोटबंदी के मारे छोटे उद्योग-धंधे अब भी उबर नहीं पाएहैं, और बेरोजगारों की तादाद बढ़ाने में भी इसने बखूबी अपनी भूमिका अदा की। सरकार चाहे जीएसटी से अधिक संग्रह के भले ही लाख दावे कर ले लेकिन इसे पटरी पर लाने के लिए उसे कितने पापड़ बेलने पड़े और छोटे कारोबारियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ा, इसका कोई हिसाब नहीं है। तकनीकी उलझनों से इसे अब भी दो चार होना पड़ रहा है। परेशानी यह है कि दुश्वारियों का सिलसिला निकट भविष्य में भी थमता दिखाई नहीं दे रहा। यह तय है कि अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अभी और चढ़ेंगी ही। नवम्बर के पहले हफ्ते से ही ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध अमल में आ जाएंगे और भारतीय अर्थव्यवस्था तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के नीचे और दब जाएगी। शेयर बाजार को रोजाना झटके लग रहे है, बीते बृहस्पतिवार को ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों ने उसे 800 अंक नीचे कर दिया तो शुक्रवार को ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों के डूबते शेयरों के साथ-साथ रुपये की गिरावट ने उसे 792 अंकों का गोता लगाने को मजबूर कर दिया। रुपया अब तक की सबसे बड़ी गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले 74 पर आ गया। बाजार को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति से भी काफी मायूसी हुई जब रिजर्व बैंक ने अपनी प्रमुख दरों को यथावत बनाए रखा जबकि बाजार इसमें कम से कम रुपये को मजबूती देने की खातिर तो बढ़ोतरी की उम्मीदें जरूर संजोए बैठा था। कुल मिला कर अक्टूबर में अभी तक 1850 अंकों या 5.1 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है, और निवेशकों को 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है।

राजनीतिक मोर्चे पर मोदी सरकार के सामने वैसे ही बहुत सारी दुश्वारियां हैं। चुनाव सर पर हैं, शाइनिंग इंडिया की फिज़ां के बावजूद सत्ता के हाथ से फिसल जाने का पिछला वाकया भी वे भूले नहीं हैं। चुनावों को देखते हुए मोदी सरकार कुछ राहत पैकेजों की घोषणा करे, इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता। सरकार के लिए थोड़े सुकून की बात यह है कि इतना सब कुछ होने के बावजूद हालात 2013 के यूपीए सरकार के अंतिम दिनों के मुकाबले कुछ हद तक बेहतर हैं। चालू खाता घाटा तो 2 प्रतिशत से नीचे है ही, विदेशी मुद्रा भंडार भी पर्याप्त (415 बिलियन डॉलर जोकि 2013 में महज 285 बिलियन डॉलर था) है। अमेरिकी डॉलर की मांग में कमी आने से रुपये में भी देरसबेर कमी आ ही जाएगी। पर सरकार को ठंडे दिमाग से काम करते रहने और दहशत में आने से परहेज करने की जरूरत है।

सार समाचार

हब्बल अंतरिक्ष टेलीस्कोप का एक गाइरोस्कोप काम नहीं कर रहा: नासा

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया कि वर्ष 1990 से कक्षा में मौजूद हब्बल अंतरिक्ष टेलीस्कोप ने एक गाइरोस्कोप के काम बंद कर देने के कारण अपना संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने कहा कि हब्बल शुक्रवार को सुरक्षित मोड में चला गया था। नासा ने सोमवार को एक बयान में कहा कि टेलीस्कोप को स्थिर करने एवं लक्ष्य को इंगित करने वाले तीन में से एक गाइरोस्कोप के काम न करने की वजह से हब्बल सुरक्षित मोड में प्रवेश कर गया। बयान में कहा गया कि सुरक्षित मोड टेलीस्कोप को एक स्थिर स्थिति में तब तक रखता है जब तक कि ग्राउंड कंट्रोल (निगरानी करने वाला उपकरण या कर्मी) इस समस्या को सुधार नहीं लेता और मिशन फिर सामान्य रूप से काम नहीं करने लगता। नासा ने कहा कि हब्बल के उपकरण पूरी तरह से काम कर रहे हैं और आने वाले सालों में विज्ञान के क्षेत्र में इनसे बेहतरीन नतीजे मिलने की उम्मीद है। हब्बल में छह गाइरोस्कोप हैं जो टेलीस्कोप को आधार देते हैं। वर्तमान में हब्बल में दो गाइरोस्कोप काम कर रहे हैं और उसे सर्वोत्कृष्ट काम के लिए कम से कम तीन की जरूरत है।

हैती में आए भूंकप से मरने वालों की संख्या हुई 15, अन्य 333 जख्मी

पोर्त-दे-पैक्स। हैती में आए 5.9 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 पर पहुंच गई है और 333 अन्य लोग घायल हैं। हैती की सिविल रक्षा एजेंसी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि वह जल्द ही नोर्द क्रेस्ट और एर्तिबोनिते प्रांतों में 70 सैनिकों को तैनात करेगी। ये प्रांत भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। एजेंसी ने पहले ही नर्सों और डॉक्टरों के साथ 14 सैनिकों को वहां भेजा है। हैती के उत्तरी तट पर भूकंप के बाद के झटकों के डर से लोग बाहर ही बैठे हुए हैं। हैती में शनिवार रात को आए भूकंप के बाद रविवार को भी 5-2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि बाद में आए भूकंप का केंद्र पोर्त-दे-पैक्स के उत्तर पश्चिम से 15-8 किलोमीटर दूर स्थित था। मृतकों में पांच साल का लड़का भी शामिल है जिसकी मकान ढह जाने से दबकर मौत हो गई।

बड़े पैमाने पर विरोध के बीच बांग्लादेश ने डिजिटल सुरक्षा को कानून का रूप दिया

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने पत्रकारों और मानवाधिकार समूहों के बड़े पैमाने पर विरोध के बीच सोमवार को विवादित डिजिटल सुरक्षा अधिनियम पर हस्ताक्षर करके उसे कानून की शक्ल दे दी। पत्रकारों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि इस कानून से अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में पड़ जाएगी। डिजिटल सुरक्षा विधेयक 2018 को संसद ने पारित किया था और यह ऑनलाइन धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, 1971 के मुक्ति संग्राम और बंगबंधु (शेख मुजीबुर रहमान) के खिलाफ नकारात्मक प्रचार चलाने, ई लेन-देन में अवैध गतिविधियां करने और अपमानजनक डेटा फैलाने समेत साइबर अपराधों से निपटेगा।
बांग्लादेश के राष्ट्रपति भवन के एक प्रवक्ता ने बताया, '' राष्ट्रपति अब्दुल हामिद ने डिजिटल सुरक्षा अधिनियम को अपनी मंजूरी दे दी।'' संसद ने 19 सितंबर को यह विधेयक पारित किया था जिसकी बड़े पैमाने पर आलोचना की गई थी। खासतौर पर अखबारों के संपादकों और पत्रकारों ने चिंता जताई थी। उनका कहना है कि यह अभिव्यक्ति की आजादी - खासतौर पर सोशल मीडिया - पर नियंत्रण लगाएगा और जवाबदेह पत्रकारिता को कमजोर करेगा।

संरा सुरक्षा परिषद को अविलंब सुधार करने की जरुरत: भारत

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बिना किसी विलंब के सुधार करने की जरुरत है अन्यथा उसे सशस्त्र संघर्षों, आतंकवाद, शरणार्थी संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया में अपनी ''प्रासंगिकता क्षीण होने'' के, खुद के दिए जख्मों पर मरहम लगाना पड़ेगा। 'रिपोर्ट ऑफ द सेक्रेटरी जनरल ऑन द वर्क ऑफ द ऑर्गेनाइजेशन' पर सोमवार को महासभा के सत्र में भाग लेते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि 15 राष्ट्रों वाली परिषद केवल प्रधानता के बारे में है वह भी बहुत कम मकसद के साथ।

अकबरुद्दीन ने कहा, ''अगर नई वैश्विक चुनौतियों से निपटना है तो अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के, आधुनिक दुनिया से मेल ना खाने वाले मौजूदा ढांचे को बदलना अनिवार्य है। इस बदलाव की सबसे ज्यादा जरुरत सुरक्षा परिषद में है।'' उन्होंने कहा, ''हमें खामियों को सुधारने की जरुरत है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, यह करना हमारे लिए जरूरी है। भविष्य की तकनीकें अतीत के संघर्षों को तेज करें, इससे पहले यह काम करना आवश्यक है जबकि परिषद अपनी प्रासंगिकता क्षीण करने के, खुद के दिए जख्मों पर मरहम लगा रही है।'' अकबरुद्दीन ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुई संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक में देशों को सशस्त्र संघर्षों, आतंकवाद, बड़ी संख्या में लोगों के विस्थापन, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय चुनौतियों समेत वैश्विक चुनौतियों पर जोर देते हुए सुना गया।

साइबर युद्ध, मानव रहित हवाई ड्रोन और लड़ाकू रोबोट .. ये तीन तो उस प्रौद्योगिकी में बदलाव के उदाहरण मात्र हैं जो आने वाले समय में युद्ध के साजोसामान में बदलाव कर रही है और कई तरह के सवाल भी उठा रही है।।उन्होंने कहा कि ना तो महासभा विकासात्मक और मानदंड संबंधी पहलुओं से निपट रही है और ना ही सुरक्षा परिषद शांति एवं सुरक्षा संबंधी जटिलताओं का समाधान कर पा रही है।

चीन ने दो रिमोट सेंसिंग उपग्रहों का किया सफल प्रक्षेपण

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पर्यावरण की जांच करने के लिए दो रिमोट सेंसिंग उपग्रहों का मंगलवार को सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। चीन की सरकारी समाचार समिति शिन्हुआ ने बताया कि याओगन-32 समूह के इन उपग्रहों को स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 43 मिनट पर लॉन्ग मार्च-2सी रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया। खबर में बताया गया है कि रिमोट सेंसिंग उपग्रहों को उत्तर पश्चिम चीन में जियूक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा गया। आगे कहा गया है कि उपग्रहों ने निर्धारित कक्षाओं में प्रवेश किया और इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पर्यावरण का सर्वेक्षण करने तथा अन्य संबंधित तकनीकी परीक्षणों में किया जाएगा। रिमोट सेंसिंग का जिक्र आमतौर पर वस्तुओं का पता लगाने के उद्देश्य से सेंसर तकनीकों के इस्तेमाल के लिए किया जाता है। रिमोट सेंसिंग उपग्रह पृथ्वी से निकलने वाली ऊर्जा का पता लगाकर आंकड़े एकत्रित करते हैं।

म्यामां रोहिंग्या उत्पीड़न की जांच के लिए अनिच्छुक, यूएन कदम उठाए: विशेष दूत

यंगून (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार दूत ने कहा है कि म्यामां रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ हुए दुर्व्यवहारों की जांच के लिए न तो इच्छुक है और न वह इसमें सक्षम है। उनके इस कथन से देश के सैन्य जनरलों को अंतरराष्ट्रीय अदालत तक ले जाने के आह्वान को बल मिला है। विश्व निकाय की मानवाधिकार दूत ने यह भी अनुशंसा की कि संयुक्त राष्ट्र को म्यामां का मुद्दा फौरन ही अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत के पास भेज देना चाहिए।

तथ्यों की तलाश करने वाले संयुक्त राष्ट्र के एक मिशन ने रखाइन प्रांत में नरसंहार, मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों और रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ की गई नृशंस कार्रवाई में म्यामां सेना के शीर्ष अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का आह्वान किया है। इस नरसंहार के चलते 7,20,000 अल्पसंख्यकों को मजबूरन देश छोड़कर बांग्लादेश भागना पड़ा था।

म्यामां ने इन आरोपों से इनकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र को पक्षपातपूर्ण निकाय करार दिया था। म्यामां सरकार ने इन अपराधों की जांच के लिए अपनी समिति भी गठित की थी। बहरहाल, म्यामां के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत यांगी ली ने कहा कि हिंसा की निष्पक्ष जांच करने के लिए सरकार की ओर से अपेक्षित क्षमता का परिचय नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने सीमित एवं अपर्याप्त कदम उठाए हैं।

म्यामां ने अपने यहां ली के प्रवेश पर दिसंबर से प्रतिबंध लगा रखा है। ली ने सोमवार को अपने ट्विटर अकाउंट पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा, 'म्यामां विश्वसनीय, तत्काल, संपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने एवं कानूनी कार्यवाही करने के अपने कर्तव्य के निर्वाह के प्रति अनिच्छुक एवं अक्षम है।' खुद को जवाबदेह मानने से म्यामां के इनकार पर उन्होंने कहा कि न्याय करना अंतरराष्ट्रीय अदालतों का जिम्मा है।

उन्होंने आगाह किया, 'न्यायिक प्रक्रिया में विलंब से और ज्यादा उल्लंघन ही सामने आएंगे।' अपने निष्कर्ष में ली ने अनुशंसा की कि संयुक्त राष्ट्र को 'म्यामां का मुद्दा फौरन अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत के पास भेज देना चाहिए।'

गहराते व्यापार युद्ध के बीच अमेरिका और चीन के विदेश मंत्री मिले

बीजिंग (एजेंसी)।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के गहराने और बीजिंग की ओर से दक्षिण चीन सागर में सैन्य मौजूदगी में वृद्धि करने को लेकर बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने सोमवार को यहां मुलाकात की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया था और मांग की थी कि बीजिंग 335 अरब डॉलर का व्यापर घाटा कम करे। इसके बाद अमेरिका और चीन के बीच जून से वाक् युद्ध चल रहा है।

चीन ने भी अमेरिका से आने वाले सामान पर जवाबी शुल्क लगा दिया। तब से वे एक दूसरे के सामान पर अरबों डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगा चुके हैं। चीन की यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ अधिकारी यांग जेइची से दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव पर पांच घंटे लंबी बातचीत की।

पोंपियो पूर्वी एशिया की मौजूदा यात्रा के अंतिम चरण में चीन पहुंचे हैं। वह अपनी यात्रा के दौरान दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया और जापान जा चुके हैं। सरकारी सीजीटीएन् टीवी ने उनके बीच की चर्चा को 'रूखा आदान प्रदान' बताया है क्योंकि दोनों ने शुरूआती टिप्पणी में कड़े बयान दिए हैं। वांग ने अपनी टिप्पणी में अमेरिका से कारोबारी टकराव, ताइवान के मुद्दे और दक्षिण चीन सागर पर विवाद को लेकर गुमराह करने वाली टिप्पणियों और कार्रवाइयों को तुरंत बंद करने को कहा।

वहीं अपनी शुरूआती टिप्पणी में पोंपियो ने कहा, 'हम चीन की कार्रवाइयों से बहुत चिंतित है। मैं इस मौके का फायदा उन सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उठाना चाहता हूं क्योंकि यह अविश्वनीय तौर पर अहम संबंध हैं।'

बांये हाथ का यूज नहीं कर सकतीं खालिदा जिया: डॉक्टर

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)।

ढाका। जेल में बंद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया के डॉक्टर ने कहा है कि लकवाग्रस्त होने के बाद जिया अब अपने बांये हाथ का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं। जिया (73) की सेहत बिगड़ने के बाद एक अदालत के आदेश के बाद उन्हें पिछले सप्ताह यहां एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उन्हें एक अनाथालय से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद फरवरी में 5 वर्ष के लिए जेल में डाला गया था। डॉ. अब्दुल जलील चौधरी ने सोमवार को बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वे गत 30 वर्ष से गठिया से पीड़ित हैं जिसकी वजह से उनका बांया हाथ लकवाग्रस्त हो गया।

बीएनपी अध्यक्ष के उपचार में लगे 5 सदस्यीय मेडिकल बोर्ड के प्रमुख ने कहा कि जिया का बांया हाथ लकवाग्रस्त होने के बाद टेढ़ा हो गया है। उन्होंने अपनी आर्थराइटिस की दवाएं ठीक तरह से नहीं लीं। चौधरी ने कहा कि उनके बदले जा चुके एक घुटने में भी समस्या है।

उन्होंने बताया कि जिया को गत 20 वर्ष से डायबिटीज है लेकिन उन्होंने बताई गई इंसुलिन नहीं ली। इसलिए हमें पहले उनके डायबिटीज का स्तर पता लगाना होगा।

मुख्य मधेसी पार्टी ने ओली सरकार से समर्थन वापस लेने की चेतावनी दी

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाल की मुख्य मधेसी पार्टी राष्ट्रीय जनता पार्टी-नेपाल (आरजेपी-एन) ने देश के संविधान में संशोधन की मांग नहीं माने जाने को लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली नीत सरकार से समर्थन वापस लेने की चेतावनी दी है।

सोमवार को प्रधानमंत्री ओली को ज्ञापन सौंपने वाले आरजेपी-एन नेताओं ने चेताया है कि अगर सरकार उनकी मांगे मानने में विफल रहती है तो पार्टी दिवाली के बाद उनकी सरकार को दिया अपना समर्थन वापस ले लेगी। आरजेपी-एन ने मधेसी, थारु, मुस्लिमों एवं जनजातियों की मांगों पर ध्यान देने के लिए संविधान में संशोधन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है।

आरजेपी-एन के अध्यक्ष मंडल के सदस्य राजेंद्र महतो ने कहा कि ये हमारी आखिरी चेतावनी है और अगर सरकार इसे अनसुना करती है तो हम त्योहारों के बाद सरकार से समर्थन वापस लेकर नया आंदोलन शुरू करेंगे। पूर्व वाणिज्य मंत्री महतो ने कहा कि सरकार हमारी मांगों को नहीं सुन रही है और संविधान में संशोधनों को भी नजरअंदाज करने की कोशिश कर रही है।

नेपाल को सात प्रांतीय इकाइयों में विभाजित करने वाले 2015 में अपनाए गए नए संविधान में मधेसियों को अधिकारहीन करने की खबरों के बाद ओली के पहले कार्यकाल के दौरान 6 माह लंबा आंदोलन चला था जिसमें 50 लोग मारे गए थे। मधेस में ज्यादातर भारतीय मूल के लोग हैं और तराई के निवासी हैं।

मधेसी पार्टी दक्षिणी तराई क्षेत्र के वासियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करती है। आरजेपी-एन की मुख्य मांगों में नागरिकता प्रमाणपत्र के वितरण प्रबंधन में संशोधन, प्रांतीय सरकारों को ज्यादा अधिकार देने, प्रांतीय सीमाओं के पुनः सीमांकन, पार्टी कैडर के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने और आरजेपी-एन सांसद रेशम चौधरी की रिहाई शामिल है जो अभी तक पद और गोपनीयता की शपथ भी नहीं ले पाए हैं।

मेरे दिल में कोई कड़वाहट नहीं, मिलजुल कर काम करुंगा: कावानाह

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के नए न्यायाधीश ब्रेट कावानाह का कहना है कि नियुक्ति की पुष्टि से पहले के घटनाक्रमों को लेकर उनके दिल में कोई ''कड़वाहट नहीं'' है और वह देश के अन्य न्यायाधीशों के साथ मिलजुल कर काम करेंगे। सप्ताहांत पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने के बाद सोमवार को व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में कावानाह ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट नौ लोगों की टीम है और मैं इस टीम के साथ हमेशा मिलजुल कर काम करुंगा। सीनेट की पुष्टि की प्रक्रिया विवादास्पद और भावुक थी। वह प्रक्रिया खत्म हो गई है।'

उन्होंने कहा, 'अब मेरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ न्यायाधीश बनने पर है। मैं कृतज्ञता से यह पद लेता हूं और मेरे दिल में कोई कड़वाहट नहीं है।' इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की प्रक्रिया के दौरान कावानाह और उनके परिवार को हुए ''भयानक दुख'' तथा ''पीड़ा'' के लिए सभी देशवासियों की ओर से उनसे माफी मांगी। उन्होंने सोमवार को व्हाइट हाउस में आयोजित एक समारोह में कहा, 'हमारे देश की तरफ से मैं ब्रेट और पूरे कावानाह परिवार से उन्हें मिले भयानक दुख और पीड़ा के लिए माफी मांगता हूं।'

नौकरी के बहाने युवक से धोखाधड़ी

सूरत। शहर के युवक को मलेशिया में सुपरवाइजर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर से ओरिजनल पासपोर्ट लौटाने के एवंज में 40 हजार रूपए की मांग कर धमकी दिए जाने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवायी गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार महीधरपुरा हरिपुरा पीरछडी निवासी डेनिश योगेश नावडीवाला को वेडरोड स्थित स्टार प्लेसमेन्ट के नाम से ऑफिस धारक अक्षय पंकज गांधी और शालीन शाह ने मलेशिया में सुपरवाइजर के तौर पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर 29 नवम्बर 2014 में ओरीजनल पासपोर्ट जमा लिया गया था। लेकिन नौकरी पर नहीं लगाया। डेनिश के पता करने पर मलेशिया में सुपरवाइजर के तौर पर कोई नौकरी नहीं होने का खुलासा होने पर अपने पासपोर्ट की मांग करने पर आरोपियों ने पासपार्ट लौटाने के एवंज में 40 हजार रूपए की मांग कर धमकी दी। पुलिस ने डेनिश की शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

मां वैष्णो देवी की कलश यात्रा आज

सूरत। श्री मां वैष्णोदेवी माताजी मंदिर सिटीलाइट सूरत की ओर से 1008 देवियों द्वारा भव्य कलश यात्रा एवं 11000 कन्याओं के साथ दिव्यांग कन्याओं का पूजन व महाप्रसाद भंडारा आयोजित किया गया है। श्री श्री 108 शत् चण्डी महायज्ञ हेतु कलश यात्रा यज्ञाचार्य श्री गोपालजी शास्त्री एवं अन्य सहपाठी गण के सानिध्य में 10 अक्टूबर बुधवार को प्रात: 7 बजे शक्तिधाम राणी सती मन्दिर से प्रारम्भ होकर अग्रसेन भवन होते हुए माता के भवन वैष्णो द्वार, तेरापंथ भवन के सामने, मां के स्थल तक जाएगी। सभी भक्तों से सादर निवेदन किया गया है कि वे मां के दरबार में सपरिवार व ईष्ट मित्रों समेत पधारकर आशीर्वाद प्राप्त करें और पुण्य के भागी बनें। कन्याओं के साथ दिव्यांग कन्याओं का पूजन का आयोजन 18 अक्टूबर को किया गया है। जिसमें 11000 कन्याओं का पूजन दोपहर 2.30 बजे से तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में होगा।

नवरात्रि में धूम मचाएंगे बुलेट ट्रेन, स्वच्छता मिशन और सेव लायन के टेटू

सूरत। साल भर से जिस पर्व की लोग खासकर युवा वर्ग प्रतीक्षा करता है, वह पर्व नवरात्रि कल से प्रारंभ हो रहा है। साधना और उपासना के पर्व नवरात्रि पर्व की तैयारियां अंतिम दौर में है। नवरात्रि पर्व के दौरान लोगों में अनोखा आकर्षण बनाने के लिए युवा वर्ग हमेशा कुछ नया करने का प्रयास करता है।

पिछले कई वर्षों से देशभर में टेटू का क्रेज बढ़ता जा रहा है, जिससे गुजरात का युवा वर्ग भी पीछे नहीं है। नवरात्रि महोत्सव के दौरान युवा वर्ग बाजु, पीठ इत्यादि पर टेटू बनवाते हैं और दांडिया रास में शामिल होते हैं। हर साल टेटू के जरिए नया संदेश देने का प्रयास किया जाता है। जारी वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन टूटे के स्वरूप में युवा वर्ग के बाजुओं पर नजर आएगी। इसके अलावा गिर अभ्यारण्य में शेरों की मौत को लेकर सेव लायन, पीएम मोदी का मेक इन इंडिया और स्वच्छता मिशन समेत दहेज-घोघा रो रो फेरी सर्विस के टेटू युवा वर्ग अपने शरीर पर गुदवा रहा है। केवल युवक ही नहीं बल्कि युवतियां भी टेटू गुदवाने पर हजारों रुपए खर्च करने से पीछे नहीं हटते। सामान्य टेटू बनाने का रु. 200 से रु. 1000 तक चार्ज लगता है, जबकि स्थायी टेटू का चार्च रु. 1000 से लेकर रु. 25000 है7 मौजूदा दौर में डिजाइनिंग टेटू, थ्रीडी टेटू, पोट्रेट एवं पुराने टेटू पर कवर अप करने का प्रमाण बढ़ा है। भारतीय परंपरा में भगवान, ओम, कृष्णा, त्रिशूल इत्यादि का प्रमाण बढ़ा है। इस साल युवतियों में स्टीकर और कलर टेटू जिसमें सेव लायन होट फेवरिट है। क्योंकि स्टीकर टेटू एक सप्ताह चलता है और नवरात्रि के दौरान हर दिन वेशभूषा के मुताबिक स्पार्कल या फेब्रिक कलर से चेंज भी किया जा सकता है। जबकि युवकों में जरीवाले स्टीकर टेटू इन डिमांड में है। युवक अपने बाजु, बाय शेप, ट्राय शेप टेटू बनवाते हैं या स्टीकर लगवाते हैं। कई लोग गले पर स्टीकर टेटू लगवाते हैं। युवतियां कपाल पर बिंदी के बजाए जरदोशी या डायमंड वर्कवाला टेटू लगाना पसंद करती हैं।

महिला के गले से चेन छीनी

सूरत। शहर के पार्ले प्वॉइन्ट इलाके में गत रोज रात को अधेड़ महिला के गले से बाइक पर आए दो अज्ञातों ने 80 हजार रूपए की कीमत का सोने की चेन छीनकर फरार हो गए।

उमरा पुलिस सूत्रों के अनुसार इच्छानाथ नहेरूनगर तिरूपति एपार्टमेन्ट निवासी रमाबेन अशोक चतुर्वेदुला गत रात को पार्ले प्वॉइन्ट सरगम शॉपिंग सेन्टर निकट से गुजर रही थी तभी पीछे से बाइक पर आए दो अज्ञातों ने उनके गले से 80 हजार रूपए की कीमत की सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

अहमदाबाद स्टेशन पर हिन्दी प्रदर्शनी का आयोजन

अहमदाबाद। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर हाल ही में राजभाषा हिन्दी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। स्टेशन प्रबंधक द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्देश्य आम यात्रियों को स्टेशन पर किये जा रहे कार्यों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग से अवगत कराना था। स्टेशन के सभी विभागों द्वारा अपने अपने कार्यालयों में हिन्दी में किये जा रहे कार्यों तथा स्टेशन पर प्रदर्शित जन सूचना बोर्ड में हिन्दी के प्रयोग को इस प्रदर्शनी में प्रमुखता से दर्शाया गया। अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री फतेह सिंह मीना, स्टेशन डायरेक्टर श्री आर. सी. मीना तथा स्टेशन प्रबंधक जिजो जोसफ ने भी इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होने प्रदर्शनी में सम्मिलित सभी विभागों को 5000 रूपये के सामूहिक पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा भी की।

उत्तर भारतीयों से मारपीट का आरोप मेरे उपर लगाना गलत: कांग्रेस नेता अल्पेश, राजनीति छोड़ दूंगा

सोशल मीडिया पर वायरल हो अल्पेश का भड़काऊ भाषण

अहमदाबाद। गुजरात से उत्तर भारतीयों के पलायन के पीछे हाथ होने के आरोप को लेकर कांग्रेस नेता अल्पेश ठाकोर लोगों और विरोधी राजनैतिक दलों के निशाने पर आ चुके है। उनके दिए भड़काऊ भाषण का वीडियों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसी बीच एक न्यूज चैनल से बात करते हुए अल्पेश ठाकोर कैमरे के सामने रो दिए। उन्होंने इस समय मेरे बच्चे की तबीयत ठीक नहीं है और मुझ पर इसतरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। ठाकोर ने कहा कि मुझ पर आरोप लगाने वाले लाशों पर राजनीति करते हैं। ठाकोर ने कहा कि मैं गंदी राजनीति के लिए सार्वजनिक जीवन में नहीं आया था, अगर ऐसा ही चलता रहा तो मैं राजनीति ही छोड़ दूंगा। अल्पेश ने कहा कि मेरी सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से फोन पर बात हुई थी, उन्होंने मेरे बेटे की तबीयत के बारे में पूछा। अल्पेश ठाकोर ने कहा है कि गुजरात छोड़ रहे लोग छठ

पूजा के लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा,अफवाहों के फैलने की वजह से वे 15 दिन पहले ही जा रहे हैं। ठाकोर ने कहा, च्मैं लोगों से अपील करता हूं कि मत जाओ, आप हमारे अपने लोग हो। उन्होंने लोगों से कहा कि जो सुरक्षा, प्यार, भाईचारा आपको यहां मिल रहा है, कहीं और नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हो रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है और वह भी मेरे नाम पर होना। उन्होंने कहा कि किसी को पीटने की योजना बनाना उनकी राजनीति नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं ओबीसी, पिछड़े, मजदूरों और गरीब लोगों के लिए राजनीति में आया था।

बनासकांठा के अपने भाषण के बारे में ठाकोर ने कहा कि सिर्फ एक क्लिप की बात की जा रही है। मेरा पूरा भाषण सुनाना चाहिए जो भी इस रेप के पीछे है, उस सजा दी जानी चाहिए। मैं सोशल मीडिया के जरिए शांति की अपील कर रहा हूं। अल्पेश ने कहा कि वह शांति की अपील कर रहे हैं और उन्हें ही लोगों ने विलेन बना दिया है। अल्पेश ने कहा कि यह किस तरह की राजनीति है। जो भी इसके पीछे है, जल्द ही वह सामने आ जाएगा। उन्होंने हमलावरों के ठाकोर सेना से होने के सवाल पर कहा कि हो सकता है कि यह गलत आरोप है। संभव है कि कुछ लोगों ने ऐसी गलती की हो, लेकिन हम उन्हें नहीं बचाएंगे। यह मेरे नाम को खराब करने की साजिश है।

बता दें कि गुजरात के साबरकांठा जिले में 14 माह की बच्ची से बलात्कार की घटना के बाद गैर-गुजरातियों पर कथित तौर पर हमले हुए हैं। इसमें बिहार, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जिसके चलते बाहरी लोग गुजरात छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। बता दें कि पीड़ित परिवार गुजरात के ठाकोर समुदाय से ताल्लुक रखता है। यही वजह है कि हिंसा में ठाकोर समुदाय का नाम सामने आया है। हिंसा फैलाने के आरोप में तीन सौ लोगों से अधिक गिरफ्तार हो चुके हैं। एक अनुमान के मुताबिक अब तक दूसरे राज्यों के करीब 20 हजार लोग गुजरात से पलायन कर चुके हैं।

ग्रंथों का भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

सूरत। गोडादरा इलाके में ग्रंथों का भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। सनातन संस्था द्वारा नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर 10 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक मां अष्टभुजा अंबिका मंदिर भक्तिधाम, मगोब, पर्वत पाटिया, सूरत में सुबह 7 से 1 और शाम 5 से 9 बजे तक अध्यात्म, धर्म, आयुर्वेद राष्ट्रधर्म, विकास निर्मूलन के लिए उपाय, स्वभाव दोष और अहं निर्मलन जैसे विविध विषयों पर के ग्रंथों का भव्य प्रदर्शनी तथा कपूर, कंकु, उदबत्ती, अष्टगंध, वाट, अत्तर जैसे विविध सात्विक उत्पादनों और पूजा सामग्री का वितरण कक्ष का आयोजन किया गया है।

हिगंदु जनजागृति समिति की तरफ से धर्माचरण, धर्मशिक्षण, राष्ट्रधर्म के बारे में विशेष प्रबोधन करने पर और राष्ट्र पुरूषों के चित्रों का भव्य फ्लैक्स प्रदर्शन का आयोजन किया है।

सुरक्षा निभाने में भी वायु सेना हमेशा आगे : कोहली

गांधीनगर। देश की सीमाओं की सुरक्षा के साथ विभिन्न प्राकृतिक आपदा के समय सामाजिक दायित्व निभाने में भी भारतीय वायु सेना हमेशा आगे रहा है, यह स्वाक, गांधीनगर में भारतीय वायु सेना के ८६वां स्थापना दिवस के उत्सव पर राज्यपाल ओपी. कोहली ने बताया। भारतीय वायु सेना के ८६वां स्थापना दिवस पर वायु सेना के सभी वायु योद्धाओं को शुभकामनाएं देते हुए कोहली ने बताया है कि, भारतीय वायु सेना पर हमें गर्व है। आज भारतीय वायु सेना विश्व की श्रेष्ठ वायु सेना में से एक है। इस वर्ष में भारतीय वायु सेना ने गगनशक्ति अध्ययन द्वारा कौशल क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। यह युद्ध अध्ययन ने वायु सेना को नई ऊंचाई दिलाई है। गगनशक्ति अध्ययन में स्वाक का योगदान उल्लेखनीय रहा है। स्वाक, गांधीनगर में युद्ध समय में ही नहीं लेकिन स्वच्छ भारत अभियान, सोलार एनर्जी, वृक्षारोपण-पर्यावरण देखभाल और योग का विकास के द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी भी अच्छी तरीके से निभाई है। भारतीय वायु सेना विश्व में सफलता की सिद्धि को हासिल करे ऐसी शुभकामनाएं राज्यपाल ने इस अवसर पर दी। साउथ वेस्टन एयर कमान्ड के एयर ऑफिसर कमार्न्डिग इन चीफ एयर मार्शल एचएस. अरोरा ने स्वागत भाषण करते हुए कहा है कि, ८ अक्टूबर-१९३२ को इंडियन एयरफोर्स की स्थापना की गई थी। स्थापना से अभी तक वायु सेना सभी प्रकार के ऑपरेशन के लिए सक्षम है। देश में प्राकृतिक आपदा के समय देशवासियों की मदद के लिए वायु सेना हमेशा तैयार रहती है। अरोरा ने वायु सेना के ८६वां स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भारत नाटयम, गुजराती गरबा, सोलो सॉन्ग, लोक नृत्य तथा महिला सशक्तिकरण के बारे में नृत्य सहित के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए।

डिंडोली में मकान से हजारों की चोरी

सूरत। शहर के डिंडोली इलाके स्थित सांई दर्शन सोसायटी के मकान को चोरों ने निशाना बनाकर 50 हजार और गहने सहित 71500 रूपए के सामान चोरी कर फरार हो गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार डिंडोली इलाके स्थित सांईदर्शन सोसायटी निवासी दिनेश केशव सांई के मकान को शनिवार रात को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाकर आलमारी से नकदी 50 हजार और सोने चांदी के गहने समेत 71500 रूपए का माल सामान चोरी कर फार हो गए। गौरतलब है कि दिनेश स्कूल की वर्दी मारकर परिवार की आजीविका चलाते हैं। पुलिस ने घटना की शिकायत दर्ज कर मामला दर्ज किया है।

सूरत। अरिहंग ग्रुप द्वारा ऐशिया की बिगेस्ट करींगटोन नवरात्रि 2018 का सरसाणा में ऐसी हॉल में होगा भव्य आयोजन। इस प्रोग्राम में बॉलीवुड और ढोलीवुड के सिंगर और म्युजिकल डायरेक्टर उपस्थित रहेंगे।

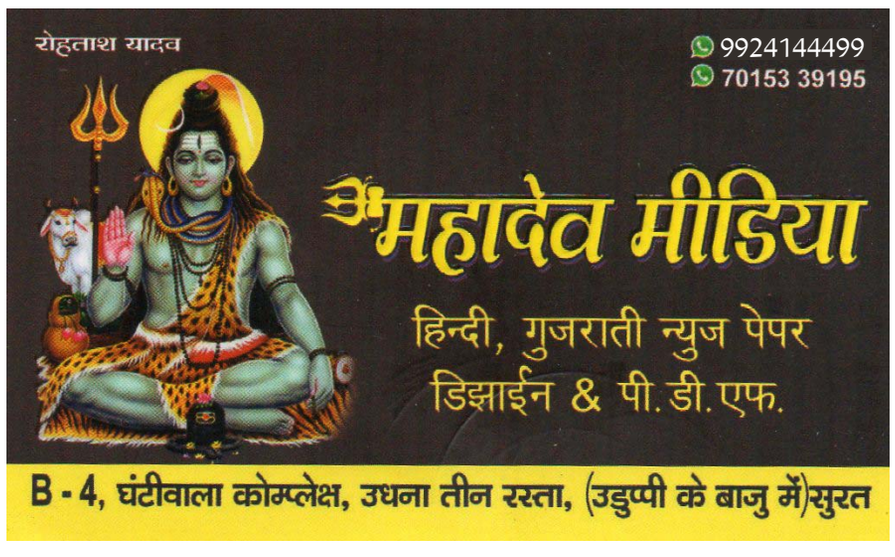

त्यौहारों के पहले तेल की कीमत में वृद्धि से लोग नाराज

अहमदाबाद। राज्यभर में मूंगफली के उत्पादन में होनेवाली ५० फीसदी की वृद्धि की जानकारी की वजह से तेल के व्यापारी सक्रिय हो गये है इतना ही नहीं त्यौहारों के पहले ही नई मूंगफली की आय को देरी होने के बावजूद भी डिब्बे पर ५० रुपये की वृद्धि किए जाने पर नागरिकों में विशेष करके महिलाओं में भारी नाराजगी की भावना फैल गई है। अगस्त महीने में त्यौहारों के पहले ही तेल की कीमत में वृद्धि शुरू हो गई, लेकिन इसके बाद कीमत घटकर स्थिर हो गया। अब फिर दीवाली का त्यौहार शुरू हो उसके पहले ही तेल की कीमत में वृद्धि होने पर महिलाओं का बजट ठप होने की शुरूआत हो गई है। राज्यभर में इस वर्ष में मूंगफली के उत्पादन में होनेवाली ५० फीसदी जितना गेप रहेगा। इस वर्ष में १२ से १५ लाख टन उत्पादन होने की संभावना की वजह से तेल के व्यापारियों ने नवरात्रि और दीवाली के त्यौहार निकट है तब सिर्फ तीन ही दिन में तेल का डिब्बा ५० रुपये महंगा कर दिया है।

जीएमडीसी में सबसे लंबा त्यौहार का आयोजन

नवरात्र महापर्व : शक्ति की आराधना का पर्व आज से

अहमदाबाद। शक्ति की आराधना का महापर्व नवरात्री की शुरुआत कल बुधवार से होगी। नवरात्री के पर्व के मद्देनजर शहर के दूर्गा मंदिरों में साफसफाई, रंगरोगन के साथ आकर्षक विद्युत साजसज्जा की जा रही है। जिले में बुधवार से नवरात्रा मानाया जाएगा। जिसके चलते पूजा पंडालो में तैयारीयों के साथ अन्य धार्मिक अनुष्ठान के लिए समितियों ने तैयारीयां पूर्ण कर ली है। बुधवार से राज्य सरकार के पर्यटन निगम द्वारा अहमदाबाद स्थित जीएमडीसी ग्राउन्ड पर विश्व का सबसे लंबा चलनेवाले नृत्य महोत्सव नवरात्रि का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।इस बार भी बुधवार को बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होने की संभावना है। उद्घाटन के अवसर पर उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल और गुजरात कैबिनेट के अन्य मंत्री भी उपस्थित होंगे। छत्तीसगढ़ से भी यहां कलाकार पहुंचे है। हररोज रात को नौ बजे से आधी रात तक शेरी गरबा भी आयोजित की जाएगी। इस वर्ष में थीम पेवेलियन में राज्य के विभिन्न आकर्षणों को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से क्राफ्ट स्टोल और फूड स्टोल की व्यवस्था की गई है। ७५ क्राफ्ट स्टोल रखे गये है जिसमें विभिन्न हस्तकला और परंपरागत चीजों का निरीक्षण किया जाएगा। गांव-गांव में प्राचीन-अर्वाचीन रास गरबे होंगे, साथ ही साथ भक्तों ने नौ दिन तक माताजी की आराधना के लिए मां जगदंबा की आराधना करेंगे। नवरात्री के नौ दिन तक हररोज माताजी की आराधना की जाएगी तथा प्राचीन और अर्वाचीन रास गरबे होंगे। शहर तथा जिले में बुधवार से हो रहे नवरात्री के पर्व में असामाजिक तत्व कोई घटना को अंजाम नहीं दे इसके लिए हजारो की संख्या में पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। पुलिस पदाधिकारियों ने गरबा होते हो ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का आदेश दिया है। मां जगदंबा की आराधना का पर्व नवरात्री बुधवार से शुरू होगा। अलग-अलग कपड़े पहनकर युवावर्ग गरबा मैदान में छा जाएंगे। नवरात्री के दौरान असामाजिक तत्व अपने इरादे को पूरा नहीं कर सके इसके लिए जिला पुलिस प्रमुख के मार्गदर्शन के तहत पूरे जिले में पुलिस का कड़ा बंदोबस्त किया जाएगा नवरात्री के त्यौहार में शराबी कानून और व्यवस्था की परिस्थिति नहीं बिगाड़े इसके लिए पुलिस ने ऐसे तत्वों को नियंत्रण में लेने के लिए इस वर्ष में गरबा मैदानों पर युवकों का ब्रेथ एनालाइजर से चेकिंग करने का निर्णय किया है।

युवतियों में नए नए प्रकार टेटू का क्रेज

अहमदाबाद। मार्केट हाल में नवरात्री के त्योहार को लेकर सज गया है। कलरफूल चुनरीज, क्रश चनियाज, रंगबिरगी बेंग्लस, कड़े, चोलिस का मार्केट में क्रेज है। नवरात्री की शोपिंग अब भी बाकी हो ऐसा हो सकता है। हालांकि कई अहमदाबादी होगे जिन्होंने अपने तरीके से चनियाचोली डिजाइन कराई होगी और अब भी आईडिया नहीं मिला हो कि चनियाचोली पर कैसे ओर्नामेन्ट्स अच्छे लगेंगे। इस साल चनियाचोली की किमतों में पिछले साल की तुलना में वृद्धि हुई है। इस साल चनीयाचोली की कीमत २००० से शुरु हुई थी। कैसी हेयर स्टाइल ओसम लूक देगी तो यह आर्टीकल आपको हेल्पफूल हो सकता है। शहर के प्रचलीत ब्यूटि सलोन के उर्वशी दवे, रिचा दवे और टेटू आर्टिस्ट कोकीला परीख ने नवरात्री का ध्यान रखकर स्पेशल लूक तैयार किए है। इस बार बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ के टेटु और शेर को बचाने के संबंधित मेसेज के टेटु विशेष रुप से बनाए गए। नियोन शेड्ज, जरदोशी जड़तर, फेविकोल, फेब्रिक कलर्स का उपयोग कर टेटू तैयार किए जाते है। लेडिज फीगर, फ्लावर आर्ट, ट्रेडिशनल टेटू ड्रो करने की काफी डिमान्ड है। २५० से लेकर १००० रुपये तक के टेटू लोग तैयार करा रहे है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com